SHASTRI - IIIrd yr

15/06/14

विश्व बैंक (World Bank)

International Bank for Reconstruction and Development (I.B.R.D.)

IBRD को अन्य पूरक संस्थाओं के साथ मिलाकर विश्व बैंक (World Bank) के नाम से जाना जाता है। वर्तमान में विश्व बैंक निम्नलिखित संस्थाओं का समूह है :— (i) IBRD. (ii) अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA), अन्तर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IFC), बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी (MIGA), निवेश विवादों का सुलझाने लिए अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र (ICSID), भारत ICSID को छोड़कर अन्य सभी संस्थाओं का सदस्य है। द्वितीय विश्व युद्ध ने न केवल बहुमुखी व्यापार व्यवस्था को ही असन्तुलित कर दिया था बल्कि अनेक राष्ट्रों में जीवन एवं संपत्ति को भी अत्यधिक हानि पहुँचाई थी, युद्ध में सक्रिय भाग लेनेवाले देशों (जर्मनी, फ्रांस, U.K) की अर्थव्यवस्था तो पूरी तरह से ध्वस्त हो गई थी। अतः अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति व्यवस्था के लिए यह आवश्यक था कि इन युद्ध से आहत अर्थव्यवस्थाओं के पुनर्निर्माण पर ध्यान दिया जाए। इस विचार से जुलाई 1944 में Bretton Woods सम्मेलन में विश्व बैंक (World Bank) की स्थापना 1945 में IMF के साथ साथ हुई। 1946 में विश्व बैंक कार्य करना प्रारम्भ किया। विश्व बैंक तथा IMF एक दूसरे के पूरक संस्थाएँ हैं। इस बैंक के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं :— (i) सदस्य राष्ट्रों के आर्थिक पुनर्निर्माण एवं विकास हेतु अर्थ दीर्घकालीन ऋण उपलब्ध करना है। (ii) निजी पूँजी निवेश को गारंटी देते जाने के फलस्वरूप भी यदि निजी पूँजी उपलब्ध न हो पाए तो अपने के साधनों से उपयुक्त शर्तों पर उत्पादक कार्यों हेतु ऋण उपलब्ध कराना है। (iii) लघु एवं वृहत इकाइयों तथा आवश्यक परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु ऋण प्रदान करना। (iv) युद्धजनित अर्थव्यवस्थाओं को शान्तिकालीन अर्थव्यवस्था के रूप में परिवर्तित करने हेतु उपयुक्त कार्यक्रमों एवं परियोजनाओं को लागू करने के लिए दीर्घकालीन ऋण की व्यवस्था करना। विश्व बैंक के कार्य :— वर्तमान में विश्व बैंक का प्रधान कार्य सदस्य राष्ट्रों विशेषकर अल्प विकसित राष्ट्रों को विकास हेतु आवश्यकतानुसार ऋण उपलब्ध कराना है। विश्व बैंक द्वारा ऋण सामान्यतः दीर्घकालीन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए दिये जाते हैं।

Brajesh Pathak
Reader in ECO.
R.K.S. College
Sukhasan Purnea

SHASTRI-II
15/06/21

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (I.M.F)
International Monetary Fund.

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष एक अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक संस्थान है, ब्रेटनवुड्स सम्मेलन के निर्णयानुसार 27 Dec. 1945 को इसकी स्थापना वाशिंगटन में हुई थी, किन्तु इसने वास्तविक रूप में 1 मार्च 1947 से कार्य प्रारम्भ किया था। वर्तमान स्थिति के अनुसार 189 राष्ट्र I.M.F के सदस्य हैं।

I.M.F के प्रमुख उद्देश्य :→ अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के समझौता अनुच्छेदों (Articles of Agreement) के अनुसार इसके प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं :- ① अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा सहयोग को प्रोत्साहित करना। ② अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को सन्तुलित विकास करना। ③ विनिमय दर में स्थिरता बनाये रखना। ④ बहुपक्षीय भुगतानों की व्यवस्था स्थापित करके विनिमय प्रतिबन्धों को समाप्त करना अथवा कम करना। ⑤ सदस्य देशों के प्रतिकूल भुगतान सन्तुलन को ठीक करने के लिये अस्थायी तौर पर आर्थिक सहायता प्रदान करना। ⑥ अन्तर्राष्ट्रीय भुगतानों के संकट के समय असन्तुलन की मात्रा एवं अवधि में कमी करना। I.M.F की गठन, संरचना और प्रबन्ध :→ I.M.F की नियंत्रण एवं प्रबन्ध एक बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (Board of Governors) में निहित है। प्रत्येक सदस्य देश एक गवर्नर को मनोनीत करता है जिनसे मिलकर बोर्ड आफ गवर्नर्स का गठन होता है। इस मनोनयन के साथ ही प्रत्येक देश एक वैकल्पिक गवर्नर को भी नियुक्त करता है जो मुख्य गवर्नर की अनुपस्थिति में मतदान करता है। प्रत्येक गवर्नर को कितना मताधिकार प्राप्त हो, यह उस देश को प्राप्त कोटा के आधार पर निर्धारित है। प्रत्येक गवर्नर को 250 मत सदस्यता के तथा उसके देश के प्राप्त कोटे में प्रत्येक एक लाख S.D.R पर एक अतिरिक्त मत देने का अधिकार है, उन दोनों का योग ही सदस्य राष्ट्र के मताधिकार को व्यक्त करता है। इस प्रकार I.M.F में अधिक मत देने का अधिकार धनी एवं औद्योगिक देशों को मिला हुआ है। क्योंकि उन्हीं के कोटे की राशि अपेक्षाकृत अधिक है। भारतीय पर ध्यान में एक बार सितम्बर अक्टूबर में इसके बोर्ड आफ गवर्नर्स की बैठक होती है। 1970 से I.M.F. की पूंजी के आधार लेन-देन विशेष आहरण अधिकार (S.D.R) के रूप में व्यक्त किये जाने लगा है।

वर्तमान में एक S.D.R का मूल्य 1.55 डॉलर है। I.M.F कोष के S.D.R के मूल्य निर्धारण हेतु बास्केट मुद्राओं को शामिल करते हुये चीन की मुद्रा 'रेनमिन्बी' को भी शामिल करने का निर्णय लिया गया है। भारत अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष (I.M.F) से समय-समय पर अपनी आवश्यकतानुसार ऋण (Loan) लेता रहा है।

R.N.S. College Sukhbeena
Dwahar

Braj Kishan
Reader in BCO.